

अध्याय - 1

जीवन बीमा - इतिहास एवं विकास

1. भारत में आधुनिक बीमा का शुभारम्भ सन् 1800 के प्रारम्भ में हुआ।
2. इसकी शुरुआत विदेशी कम्पनियों की एजेंसियों के साथ समुद्री बीमा व्यापार प्रारम्भ करके हुयी।
3. भारत में प्रथम जीवन बीमा कम्पनी एक अंग्रेजी कम्पनी थी-द ओरियंटल लाइफ इन्श्योरेंस कम्पनी लिमिटेड थी।
4. भारत में प्रथम अ-जीवन बीमा कम्पनी (नॉन-लाइफ इन्श्योरेंस कम्पनी) ट्राइटन इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड थी।
5. प्रथम भारतीय बीमा कम्पनी सन् 1870 में मुम्बई में बनायी गयी-बाम्बे म्यूचुअल एश्योरेंस सोसायटी लिमिटेड।
6. भारत में प्राचीनतम बीमा कम्पनी की स्थापना सन् 1906 में हुयी और जो भी अभी तक व्यापार में है - नेशनल इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड।
7. बीमा व्यापार को विनियमित करने के लिये लाइफ इश्योरेंस कम्पनीज एक्ट, 1912 (जीवन बीमा कम्पनी अधिनियम, 1912) को पारित किया गया।
8. बीमा अधिनियम, 1938 बीमा कम्पनियों के आचरण को विनियमित करने के लिए बनाया गया प्रथम कानून था।
9. जीवन बीमा का राष्ट्रीकरण
 - : 1 सितम्बर, 1956 बीमा कम्पानियों के आचरण को विनियमित करने के लिए बनाया गया प्रथम कानून था।
 - : भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना की गयी।
10. अ-जीवन (नॉन-लाइफ) बीमा का राष्ट्रीकरण
 - : सन् 1972 में सामान्य बीमा व्यापार अधिनियम (नेशनल इन्श्योरेंस बिजनेस नेशनलाइजेशन एक्ट) बनने के साथ ही अ-जीवन बीमा (नॉन-लाइफ इन्श्योरेंस) का राष्ट्रीयकरण किया गया।
 - : भारतीय सामान्य बीमा निगम (जी आई सी) तथा इसकी चार सहायक कम्पनियों की स्थापना की गयी।
11. बीमा विनियामक एवं अधिनियम एवं विकास अधिनियम, 1999 (आई आर डी ए) के पारित होने पर अप्रैल 2000 में जीवन एवं अ-जीवन बीमा उद्योग दोनों के लिए विनियामक निकाय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण की स्थापना की गयी।
12. बीमा कैसे काम करता है:
 1. बीमा-एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक जैसी अनिश्चित घटनाओं/स्थितियों का सामना करने कुछ व्यक्तियों की हानियों को अन्य व्यक्तियों में बाँट दिया जाता है।
 2. एक व्यक्ति द्वारा धारण किया जाने वाला जोखिम का बोझ

(क) जोखिम का प्राथमिक बोझ

(ख) जोखिम का द्वितीयक बोझ

13. जोखिम प्रबन्धन की तकनीक-

(1) जोखिम से बचाव

(2) जोखिम धारण करना

(3) जोखिम में कमी तथा नियंत्रण

(4) जोखिम वित्तीयन

14. बीमा जोखिम हस्तान्तरण के प्रमुख प्रकारों में से एक है तथा बीमा क्षतिपूर्ति के माध्यम से अनिश्चितता को निश्चितता में परिवर्तित करता है।

15. बीमा बनाम आश्वस्ति (वादा) (इन्श्योरेंस बनाम इश्योरेंस)

बीमा : (1) बीमा: किसी सम्भावित घटना के प्रति संरक्षण को निर्देशित करता है।

(2) जोखिम के प्रति संरक्षण प्रदान करता है।

आश्वस्ति (दावा):

16. बीमा लेने से पूर्व विचार

1- कम के लिए अधिक का जोखिम न लें।

2- अपनी क्षमता से अधिक हानि के लिए जोखिम न लें

3- जोखिम की सम्भावित घटनाओं पर सावधानी पूर्वक विचार करें।